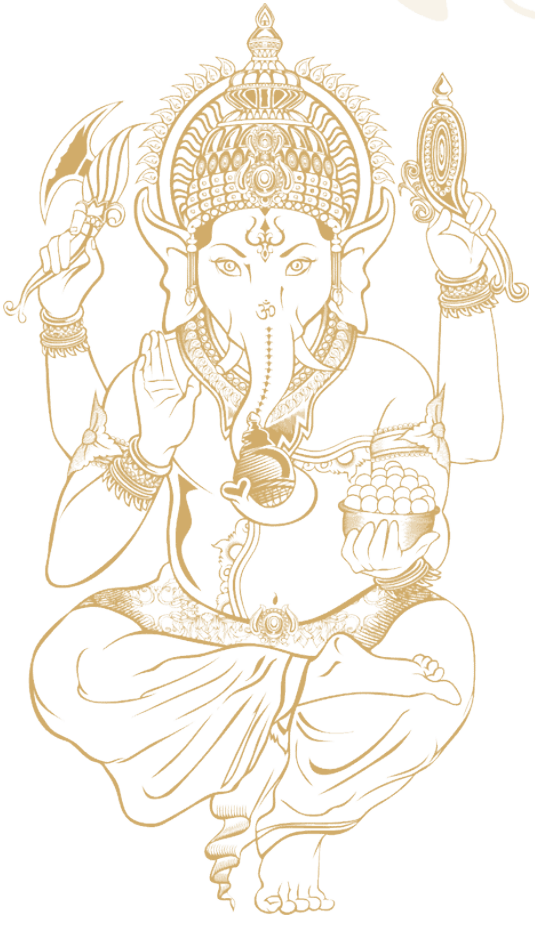

Mr.Yash Dewangan

Ms.Alisha Dewangan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120745102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/12/1997	जन्म तिथि	7-08/12/1998
शनि-रविवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 02:25:00	जन्म समय	05:55:00 घंटे
घटी 49:29:57	जन्म समय(घटी)	58:42:47 घटी
India	देश	India
Korba	स्थान	Dhamtari
22:22:00 उत्तर	अक्षांश	20:43:00 उत्तर
82:46:00 पूर्व	रेखांश	81:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:01:04	स्थानिक संस्कार	-00:03:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:01	सूर्योदय	06:27:24
17:23:05	सूर्यास्त	17:22:35
23:49:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 13वर्ष 3मा 20दि	15:19:37	तुला	लग्न	वृश्चि	13:45:56	बुध 12वर्ष 9मा 20दि
शुक्र	12:19:13	धनु	सूर्य	वृश्चि	21:51:14	शुक्र
19/04/2018	19:33:46	वृश्चि	चंद्र	कर्क	19:57:19	28/09/2018
19/04/2038	13:41:32	मक	मंगल	कन्या	12:01:22	28/09/2038
शुक्र 18/08/2021	23:14:36	वृश्चि	बुध व	वृश्चि	08:25:22	शुक्र 28/01/2022
सूर्य 19/08/2022	27:34:20	मक	गुरु	कुंभ	25:20:12	सूर्य 28/01/2023
चन्द्र 18/04/2024	10:05:26	मक व	शुक्र	धनु	01:26:45	चन्द्र 28/09/2024
मंगल 18/06/2025	19:49:34	मीन	शनि व	मेष	03:21:19	मंगल 28/11/2025
राहु 18/06/2028	19:11:26	सिंह व	राहु व	सिंह	00:50:50	राहु 28/11/2028
गुरु 17/02/2031	19:11:26	कुंभ व	केतु व	कुंभ	00:50:50	गुरु 30/07/2031
शनि 19/04/2034	13:04:22	मक	हर्ष	मक	16:00:27	शनि 28/09/2034
बुध 17/02/2037	04:58:00	मक	नेप	मक	06:25:51	बुध 29/07/2037
केतु 19/04/2038	12:47:33	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:22:50	केतु 28/09/2038

लग्न-चलित

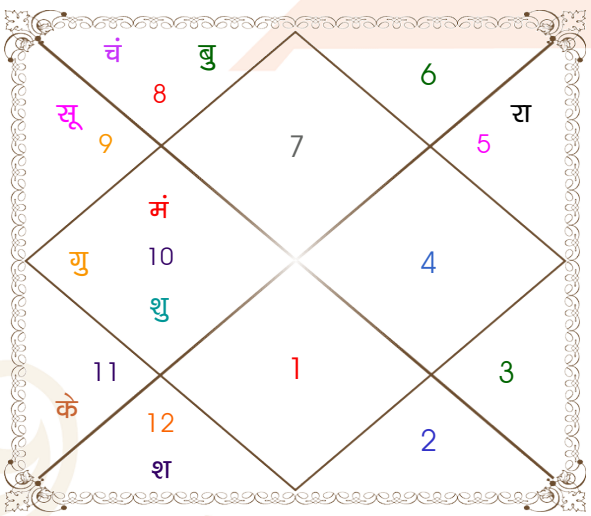

लग्न-चलित

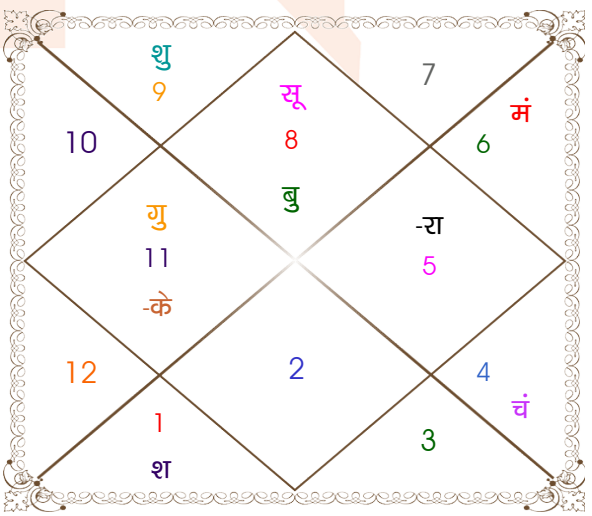

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्लै क्मूंदहंद का वर्ग सर्प है तथा डेण।सर्पी क्मूंदहंद का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्लै क्मूंदहंद और डेण।सर्पी क्मूंदहंद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्लै क्मूंदहंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्लै क्मूंदहंद कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतण्लै क्मूंदहंद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण ।सर्पो क्मूंदहंद मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण ।सर्पो क्मूंदहंद कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्लै क्मूंदहंद तथा डेण ।सर्पो क्मूंदहंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।